चिकित्सकों ने अधिकारियों को गिनाई राइट टू हैल्थ बिल के प्रावधानों में कमियां

चिकित्सक संगठनों के साथ चिकित्सा विभाग की परामर्श बैठक आयोजित

जयपुर,(कासं)। चिकित्सक संगठनों ने राज्य सरकार की ओर से आमजन को स्वास्थ्य का अधिकार देने के लिए लाए जा रहे राइट-टू-हैल्थ बिल के प्रावधानों में कई कमी बताते हुए इसका विरोध किया है।

बुधवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सक संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ राज्य स्तरीय परामर्श बैठक आयोजित की गई। चिकित्स शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत व चिकित्सा सचिव डॉ. पृथ्वी की अध्यक्षता में हुई बैठक में चिकित्सकों ने बिल के प्रावधानों का कड़ा विरोध किया। इस दौरान कई उपयोगी सुझाव भी दिए गए।

बैठक में सिविल सोसायटी, स्वयं सेवी संगठनों व उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त कर राइट-टू-हैल्थ बिल को राजस्थान के स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक मील का पत्थर बताया। वहीं राज्य और जिला स्तर पर प्राधिकरण को लेकर भी सुझाव दिए गए।

वहीं आईएमए के पदाधिकारियों ने इस बिल की कमियां बताते हुए कहा कि इस बिल में इमरजेंसी को जस्टिफाई नहीं किया गया है। इसके कारण निजी अस्पतालों में आए दिन हंगामे के हालात बन जाएंगे। वहीं किसी अस्पताल में स्पेशलिस्ट सेवा नहीं मिल पाए तो निजी अस्पतालों पर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इस बिल के माध्यम से इंस्पेक्टर राज बढ़ने की आशंका भी जताई गई। बिल के मौजूदा प्रावधानों के मुताबिक निजी अस्पतालों को देरी से किए जाने वाले भुगतान पर कोई सजा को प्रावधान नहीं है। इस दौरान टी. रविकांत ने राइट-टू-हैल्थ बिल को प्रदेश की जनता के लिए जनकल्याणकारी बताते हुए कहा कि राजस्थान आम आदमी को स्वास्थ्य का अधिकार देने वाला पहला राज्य बनेगा। शासन सचिव डॉ. पृथ्वी ने कहा कि सभी में सामंजस्य बिठाकर एक बेहतरीन जनहितैषी बिल लाया जाएगा जो प्रदेश, आमजन, डॉक्टर्स और सभी के लिए अच्छा साबित होगा। बैठक के बाद चिकित्सा सचिव ने कहा कि प्रतिनिधी मंडल ने जो सुझाव दिए हैं, उन पर चर्चा कर प्रवर समिति को भेजा जाएगा। बैठक के बाद चिकित्सक प्रतिनिधियों ने कहा कि हम चाहते है कि बिल पास हो और जनता को इसका लाभ मिले। लेकिन सरकार इसके जरिए निजी चिकित्सकों पर नकेल कसने का प्रसास कर रही है। इसे निजी अस्पतालों पर थोपा जा रहा है। 49 पेज का बिल का प्रारूप डॉक्टरों की ओर से दिया गया है। इस तरह का बिल ओडिशा, गुजरात, दिल्ली और तेलांगना में है। चिकित्सक प्रतिनिधियों ने कहा कि डॉक्टरों के सुझावों के अनुरूप बिल नहीं लाया गया तो आंदोलन किया जाएगा। बैठक में आरएसएचएए की सीईओ शुची त्यागी, आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक अनुपमा जोरवाल, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. के.एल. मीणा, प्राचार्य एसएमएस मेडिकल कॉलेज डॉ. राजीव बगरहट्टा, आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुनील चुघ, पिडिएट्रीशियन एसोसियेशन के अध्यक्ष डॉ. लाखन पोसवाल, जनस्वास्थ्य अभियान के प्रतिनिधि राजन चौधरी सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

हस्तीमल हिरण की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के आमंत्रित सदस्य वरिष्ठ संघ प्रचारक दिवंगत हस्तीमल हिरण की स्मृति में बुधवार को शहर में श्रद्धांजलि सभा हुई। जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विविध संगठनो के विभिन्न कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर संघ प्रचारक को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर राजस्थान क्षेत्र के संघचालक डॉ रमेश अग्रवाल ने हस्तीमल हिरण की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके जीवन के बारे मे जानकारी देते हुए कहा कि हस्तीमल हिरण का संपूर्ण जीवन राष्ट्र व समाज को समर्पित रहा है। संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक शिक्षण प्रमुख स्वांतरंजन ने कहा कि हस्तीमल हिरण के द्वारा कार्यकर्ताओं की संभाल एवं सम्पर्क की स्नेहपूर्ण पद्दति विशेष रही है। संघ कार्य की नींव में ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओ का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

शीतलहर का प्रकोप अभी भी जारी है जिससे तापमान में कमी होने से पानी भी जम रहा है। पार्क की हरी-भरी घास पर ओस की बूंदें जमने से सफेद चादर सी नज़र आती है। स्वर्ण जयंती पार्क में जमी ओस की बूंदें। फ़ोटो : दिनेश भारद्वाज

दूसरे दिन भी करोना का कोई भी नया मरीज नहीं मिला

-कार्यालय संवाददाता-

- राजधानी जयपुर में भी पिछले पांच दिन से एक भी नया संक्रमित सामने नहीं आया है
- राज्य में अब केवल करोना के तीन ही मरीजों का इलाज चल रहा है
- प्रदेश में कोविड वैक्सीन आने के बाद बुधवार को एक दिन में 11 हजार से ज्यादा टीके लगे

जयपुर। प्रदेश में लगातार दूसरे दिन बुधवार को भी कोई नया करोना संक्रमित नहीं मिला है। वहीं इस बीच एक मरीज के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर केवल तीन ही रह गए हैं। राज्य में पिछले कई दिनों से इस बीमारी से कोई मौत नहीं हुई है।

प्रदेश में बुधवार को भी कोई नया संक्रमित सामने नहीं आया है। इससे पहले मंगलवार और रविवार को भी राज्य में एक भी नया संक्रमित नहीं मिला था। इधर राजधानी जयपुर में भी आज लगातार पांचवें दिन भी कोई नया संक्रमित नहीं पाया गया है। अब यहां न कोई नया संक्रमित है और न ही कोई एक्टिव केस मौजूद है।

प्रदेश में बुधवार को भी 1 मरीज के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 3 रह गए हैं। इनमें जैसलमेर, सीकर और उदयपुर में 1-1 एक्टिव केस बचा है। प्रदेश में बुधवार को भी करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि राज्य में अब तक इस बीमारी से 9653 लोगों की मौत हो चुकी है। उधर प्रदेश में केन्द्र सरकार से कोविड वैक्सीन मिलने के बाद वैक्सीनेशन में थोड़ी तेजी आई है। इसके चलते बुधवार को एक ही दिन में 11 हजार 438 लाभार्थियों को निर्धारित टीके लगाये गये। कोविड वैक्सीनेशन की यह लंबे समय बाद बड़ी उपलब्धि है। गौरतलब है कि मंगलवार को कोवीशिल्ड वैक्सीन की 1 लाख 50 हजार डोज की खेप आई थी। इस वैक्सीन को सभी जिलों को आंवटित कर दिया गया। इसके बाद आज वैक्सीनेशन में तेजी दर्ज की गई।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का धूमधाम से आगाज़ आज

जेएलएफ 2023 का 19 जनवरी से भव्य आगाज होने जा रहा है। आज फ्रंट लॉन में सुबह 9.50 बजे से उद्घाटन सत्र आयोजित होगा, जिसमें कीनोट एड्रेस नोबेल प्राइज विजेता अब्दुलरज़ाक गुरनाह द्वारा दिया जाएगा। इस वर्ष फेस्टिवल डेकोर की थीम उत्सव रखी गई है। उत्सव राजस्थान के रंगों का जश्न मनाना और उज्जवल रंगों का प्रदर्शन है। भारतीय शादियां अपने जीवंत रंगों, धूमधाम, गूंजते संगीत और एक नई शुरुआत की खुशियों को उत्सव के रूप में मनाने का एक आदर्श उदाहरण है। इस वर्ष अपनी डेकोर थीम उत्सव के साथ जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 ने दर्शकों को उसी आनंद का अनुभव कराने का प्रयास किया है, जो उन्हें एक भारतीय पारंपरिक उत्सव से मिलता है। इस वर्ष की पूरी साज-सज्जा और थीम भारतीय सांस्कृतिक विरासत और उसकी जीवंत प्रकृति का मिश्रण है।

जयपुर। 'धरती के सबसे बडे' साहित्य उत्सव के तौर पर मशहूर, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 का आयोजन 19 जनवरी होटल क्लार्क्स आमेर, जयपुर में होगा, और 'कहानी' कहने की अपनी परम्परा को आगे बढाएगा।

साहित्य उत्सव के बहुप्रतीक्षित 16वें संस्करण में दुनिया की श्रेष्ठ प्रतिभाएं हिस्सा लेंगी। इस संस्करण में श्रोताओं को भाषाओं की अभूतपूर्व विविधता देखने को मिलेगी, जिसमें 21 भारतीय और 14 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं को फेस्टिवल के 5 वेन्यू पर प्रस्तुत किया जायेगा। फेस्टिवल विभिन्न देशों के 350 वक्ताओं की मेजबानी करेगा, जिसमें सभी प्रमुख पुरस्कारों - जैसे नोबेल, बुकर, इंटरनेशनल बुकर, पुलित्ज़र, साहित्य अकादमी, बैली गिफर्ड, पेन अमेरिका लिटरेरी अवार्ड, डीएससी प्राइज, जेसीबी प्राइज-से सम्मानित लेखक हिस्सा लेंगे।

फेस्टिवल के 16वें संस्करण में समाज और समय की ज़रूरतों को ध्यान रखते हुए कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी, जैसे जलवायु परिवर्तन, महिलाओं की आवाज़ और पहचान, अपराध कथा, संस्मरण, अनुवाद, काव्य, अर्थव्यवस्था, टेक मोरालिटी और आर्टिफिशल इंटेलीजेंस, कृषि में वैश्विक संकट, रूस-यूक्रेन विवाद, ब्रिटिश साम्राज्य की हिंसा, आधुनिक समय का विज्ञान, भारत के 75 वर्ष, विभाजन की याद, जिओपॉलिटिक्स, कला और फोटोठाफी, स्वास्थ्य और मेडिसीन, तथा अन्य।

19 जनवरी, गुरुवार की सुबह में, फेस्टिवल की शुरुआत कर्नाटक गायिका सुषमा सोम के दिल को छू लेने वाले मधुर संगीत के साथ होगी। सर्दियों की खुशनुमा सुबह में फेस्टिवल के को-डायरेक्टर्स नमिता गोखले व विलियम डेलरिम्पल और फेस्टिवल के प्रोड्यूसर संजॉय के. रॉय उदघाटन संभाषण देंगे। कीनोट एड्रेस नोबेल प्राइज विजेता अब्दुलरज़ाक गुरनाह देंगे।

लेखिका और जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल की फाउंडर व को-डायरेक्टर नमिता गोखले ने कहा, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 का उद्देश्य किताबों, विचारों और साझा वक्तव्य के माध्यम से खुशी का प्रसार करना है। दुनिया की कुछ श्रेष्ठ प्रतिभाएं भी हमारे इस प्रण में साथ देंगी। आज की इस कमजोर और खंडित दुनिया में ये आशा और विश्वास की एक किरण है।

लेखक, इतिहासकार और जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के फाउंडर और को-डायरेक्टर विलियम डेलरिम्पल ने कहा, पिछले सालों में, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल ने दुनियाभर के 5000 से अधिक वक्ताओं और लाखों श्रोताओं की मेजबानी की है। साहित्य के इस कुम्भ में हमारी कोशिश हर बार इसकी गुणवत्ता को बढाने की रहती है, लेकिन 2023 के इस संस्करण को बेशक अब तक का सबसे बेस्ट माना जायेगा। सारे प्रमुख पुरस्कारों से सम्मानित लेखकों की मेजबानी करते हुए हमें गर्व है। हमारे साथ नोबेल, बुकर इंटरनेशनल बुकर, साहित्य अकादमी, बैली गिफर्ड, नेशनल बुक अवार्ड व वीमेन'स प्राइज से सम्मानित लेखक होंगे। इस साल हम दुनिया के श्रेष्ठ उपन्यासकारों और कवियों, इतिहासकारों और जीवनीकारों, वैज्ञानिक और अर्थशास्त्री, कलाकार और कला इतिहासकारों को एक मंच पर प्रस्तुत करेंगे। फेस्टिवल के इन पांच दिनों में श्रोताओं को विचारों का स्वतंत्र प्रवाह देखने को मिलेगा। साहित्य प्रेमियों के लिए यह जन्नत है: जयपुर में आप सभी के स्वागत के लिए हम तैयार हैं।

जयपुर में नलकूप किये सीज

जयपुर। जयपुर शहर में अवैध रूप से संचालित आरओ प्लांट्स के खिलाफ उपखंड मजिस्ट्रेट, सांगानेर की टीम की कार्रवाई जारी है। बुधवार को लगातार दूसरे दिन उपखंड अधिकारी सांगानेर श्रीमती एकता काबरा के नेतृत्व में टीम ने 3 अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई को अंजाम दिया।

शुभमन के तूफान के आगे ब्रेसवेल का वस्फिोट बेअसर, भारत 12 रनसे जीता

हैदराबाद 18 जनवरी। पंजाब की सनसनी शुभमन गिल (208) के तूफानी दोहरे शतक की बदौलत भारत ने तीन मैचों की एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय श्रृखंला के पहले मुकाबले में बुधवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ 12 रन से रोमांचक जीत अर्जित की। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम पर भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 50 ओवर में 349 रनो का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा किया जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 49.2 ओवर में 337 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड को जीत की ओर ले जाने में मिचेल ब्रेसवेल (140) ने भरपूर प्रयास किया मगर शार्दुल ठाकुर ने अंतिम खिलाड़ी के तौर पर उनको पगबाधा आउट कर मैदान पर मौजूद और टीवी स्क्रीन से चिपके भारतीय टीम के करोड़ों प्रशंसकों को मुस्कराने का मौका दे दिया।

कप्तान रोहित शर्मा के टास जीत कर पहले बल्लेबाजी के फैसले को खरा बताते हुये शुभमन ने न्यूजीलैंड के कम अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण की बखिया उधेड़ दी। न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक किसी भी खिलाड़ी द्वारा बनाया गया यह सर्वाधिक निजी स्कोर है। अपने करियर का पहला दोहरा शतक शुभमन ने दो लगातार छक्के लगाकर आक्रमक अंदाज में पूरा किया। अपनी पारी में उन्होने 139.59 के स्ट्राइक रेट से 19 चौके और नौ छक्के जड़े। भारतीय पारी के अंतिम ओवर में हेनरी शिपले की गेंद पर लांग आफ पर खडे फिलिप ने लंबी दौड़ लगा कर उनका शानदार कैच लपका।

शुभमन की धमाकेदार पारी का जवाब देने का जिम्मा न्यूजीलैंड के मध्य क्रम के बल्लेबाज ब्रेसवेल ने उठाया और महज 78 गेंद खेलकर दस छक्कों और 12 चौकों की मदद से 140 रन बनाये और मैच को आखिर तक रोमांच के चरम पर बनाये रखा। ब्रेसवेल के एक दिवसीय करियर का यह दूसरा शतक था। इससे पहले उनका अधिकतम निजी स्कोर 127 नाबाद था। एक समय कीवी टीम के छह विकेट महज 131 रन पर गिर चुके थे और मैच पूरी तरह भारत की गिरफ्त में था मगर ब्रेसवेल ने हरफनमौला मिचेल सेंटनर (57) सातवें विकेट के लिये 162 रन की पार्टनरशिप करके मैच को रोमांचक मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया।

भारतीय कुश्ती महासंघ के विरोध में उतरे पहलवान

नई दिल्ली 18 जनवरी। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक समेत कई अन्य दिग्गज पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ के खिलाफ ने अपनी आवाज बुलंद की है। पुनिया समेत कई पहलवानों ने बुधवार को जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर भारतीय जनता पार्टी सांसद बृजभूषण सिंह के नेतृत्व में भारतीय कुश्ती महासंघ के कामकाज के प्रति खिन्नता का इजहार किया। बजरंग ने यहां पत्रकारों से कहा कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष हमें गालियां देते हैं। उनका रवैया तानाशाही का है। वास्तव में कुश्ती महासंघ में बैठे कुछ लोगों को खेल का ज्ञान नहीं है। पहलवान इस तानाशाही को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है।

इससे पहले उन्होने ट्वीट किया फेडरेशन का काम खिलाड़ियों का साथ देना, उनकी खेल की जरूरतों का ध्यान रखना होता है। कोई समस्या हो तो उसका निदान करना होता है। लेकिन अगर फेडरेशन ही समस्या खड़ी करे तो क्या किया जाए। अब लड़ना पड़ेगा, हम पीछे नहीं हटेंगे। उन्होने कहा खिलाड़ी पूरी मेहनत कर के देश को मेडल दिलाता हैं लेकिन फेडरेशन ने हमें नीचा दिखाने के अलावा कुछ नहीं किया। मनचाहे क़ायदे क़ानून लगा कर खिलाड़ियों को प्रताड़ित किया जा रहा है। बजरंग ने कहा जान से मारने की धमकी मिलने के बाद से हमने किसी से संपर्क नहीं किया। बृजभूषण ने ओलंपिक के बाद मुझसे बात करने से इंकार कर दिया। हम महासंघ में बदलाव चाहते हैं।

गौरतलब है कि भारतीय कुश्ती महासंघ ने सभी पहलवानों को ट्रायल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना अनिवार्य कर दिया है जबकि पहलवानो ने इस ऐलान को तुगलकी करार देते हुये विरोध करने का फैसला किया है। उनका कहना है कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खुद की क्षमता को साबित करने के बाद ट्रायल का कोई औचित्य नहीं है। ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने बजरंग के विरोध का समर्थन करते हुये कहा कि वास्तव में फेडरेशन में बैठे लोगों को खेल के बारे में रत्ती भर ज्ञान नहीं है। उन्होने ट्वीट किया खिलाड़ी पूरी मेहनत कर के देश को मेडल दिलाता हैं लेकिन फेडरेशन ने हमें नीचा दिखाने के अलावा कुछ नहीं किया।

खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ से स्पष्टीकरण तलब किया

नयी दिल्ली, 18 जनवरी। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय ने दिग्गज पहलवानों द्वारा भारतीय कुश्ती महासंघ पर लगाये गये आरोपों को संज्ञान में लेते हुए महासंघ से अगले 72 घंटों में स्पष्टीकरण तलब किया है। मंत्रालय ने बुधवार को विज्ञप्ति जारी कर कहा, पहलवानों द्वारा किये गये विरोध प्रदर्शन और प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और कोचों पर लगाये गये महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न एवं महासंघ के कामकाज में कुप्रबंधन के आरोपों पर खेल मंत्रालय ने डब्ल्यूएफआई से स्पष्टीकरण मांगा है। और उसे लगाये गये आरोपों पर अगले 72 घंटों के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है।" उल्लेखनीय है कि ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक समेत कई अन्य दिग्गज पहलवानों ने बुधवार को यहां जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन करते हुए डब्लूएफआई के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। पहलवानों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद एवं महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह और पुरुष कोचों पर महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न सहित कई गंभीर आरोप लगाये। मंत्रालय ने कहा कि अगर डब्ल्यूएफआई अगले 72 घंटों के भीतर जवाब देने में विफल रहता है, तो मंत्रालय राष्ट्रीय खेल विकास संहिता 2011 के प्रावधानों के अनुसार महासंघ के खिलाफ कार्रवाई शुरू करेगा।

हार से निराश हूं मगर लड़ना नहीं छोड़ूंगा : नडाल

मेलबर्न 18 जनवरी। आस्ट्रेलिया ओपन में अमेरिकी प्रतिद्धंदी मैकेंजी मैकडानल्ड से मिली हार से निराश राफेल नडाल ने स्वीकार किया है कि वह चोटों के कारण मानसिक रूप से कमजोर हुये हैं मगर दुनिया भर में अपने लाखों प्रशसंको को विश्वास दिलाते हैं कि वह अपने करियर को आगे बढ़ाते हुये जुझारू प्रवृत्ति को बरकरार रखेंगे।

विश्व के नम्बर दो खिलाड़ी नडाल को अमेरिका के मैकेंजी मैकडानल्ड ने बुधवार को 6-4, 6-4 और 7-5 से हराया जिसके बाद नडाल का मौजूदा टूर्नामेंट में सफल खत्म हो गया। नडाल दूसरे सेट के बाद हिप और लेग इंजरी से परेशान दिखने लगे थे मगर इसके बावजूद उन्होंने पूरा मैच खेला। हालांकि हार के साथ उन्होने इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से विदाई ली।

मैच के बाद नडाल ने कहा,मैं अपनी चोट में इजाफा किये बगैर खेलना जारी रखता चाहता था। मै मैच को खत्म करना चाहता था। मैकेंजी ने उच्च स्तरीय खेल का प्रदर्शन किया। एक लंबे अरसे के बाद मैं अपने मौकों के लिये लड़ रहा था मगर नेट के दूसरी ओर मैकेंजी लाजवाब टेनिस खेल रहा था। मै उसके खिलाफ उम्दा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा था और आखिर में मुझे मैच गंवाना पड़ा मगर मैने मैच के अंतिम लम्हे तक पूरी कोशिश की।

वर्ष 2009 और 2022 में आस्ट्रेलियन ओपन के विजेता का बांया कूल्हा पिछले कुछ समय से तकलीफ दे रहा है जिसके कारण उन्हे शाट खेलने में परेशानी हो रही है। जाहिर है, दर्द बढ़ने के साथ ही 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता को संन्यास लेने के विचार आने लगे थे।

मैकेंजी को जीत की बधाई देते हुये नडाल ने कहा, मैं चोट को और बढ़ाने के पक्ष में नहीं था और अपने मैच को खत्म करना चाहता था। हार के बावजूद मेरे प्रशसंकों ने खड़े होकर मेरा अभिवादन किया जो वाकई जोश भरने के लिये काफी था। आप सिर्फ आखिर तक अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर सकते हैं जो मैने किया। यही खेल का नियम है।मैंने अपने पूरे टेनिस करियर के दौरान इसका पालन करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा, मुझे टेनिस खेलना पसंद है। मुझे पता है कि यह हमेशा के लिए नहीं है मगर आपको चलते रहना होगा। कभी-कभी हार निराशाजनक होती है। कभी-कभी इसे स्वीकार करना मुश्किल होता है। कभी-कभी आप चोटों के मामले में इन सभी चीजों के बारे में बहुत थका हुआ महसूस करते हैं मगर इसका यह मतलब नहीं निकालना चाहिये कि मैं अपने जीवन के बारे में शिकायत कर रहा हूं। चोट खेल का हिस्सा हैं मगर मैने हिम्मत नहीं हारी है। मैं मानसिक तौर पर मजबूत बने रहने की कोशिश कर रहा हूं। स्पेन के 36 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, मैं उम्मीद करता हूं कि चोट के कारण मुझे लंबे समय तक कोर्ट से बाहर नहीं रहना पड़ेगा।

टी-20 विश्व कप में हमारे लिये 'एक्स फैक्टर' हो सकती है शिखा : हरमनप्रीत

ईस्ट लंदन (दक्षिण अफ्रीका), 18 जनवरी। शिखा पांडे की हैरानी भरी वापसी से कुछ भृकुटियां तन सकती हैं लेकिन भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बुधवार को कहा कि यह अनुभवी तेज गेंदबाज दक्षिण अफ्रीका में होने वाले आगामी टी20 विश्व कप में उनके लिये 'एक्स फैक्टर' (अहम) हो सकती है जिसकी उन्हें जरूरत है। अक्टूबर 2021 में भारत के लिये पिछली बार खेली 33 वर्षीय शिखा को आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला और 10 से 26 फरवरी तक होने वाले टी20 विश्व कप के लिये टीम में शामिल किया गया है। हरमनप्रीत ने त्रिकोणीय श्रृंखला में मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले मैच की पूर्व संध्या पर कहा, "वह (शिखा) बहुत ही अनुभवी गेंदबाज हैं, यही कारण है कि हम उसे टीम में वापस लाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि शिखा दक्षिण अफ्रीका में गेंदबाजों की मुफीद पिच पर पावरप्ले और अंतिम ओवरों में उपयोगी साबित होंगी।